MCP-001-001502 Seat No. _____

B. A. (Sem. V) (CBCS) Examination

May / June - 2018

Hindi (Compulsory) : Paper-5

(अप्सरा का शाप)

(New Course)

Faculty Code : 001
Subject Code : 001502

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

१ उपन्यासकार यशपाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए । १४

अथवा

१ उपन्यास कला के तत्वों के आधार पर 'अप्सरा का शाप' का मूल्यांकन कीजिए । १४

२ 'अप्सरा का शाप' उपन्यास की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखकर, उद्देश्य की चर्चा कीजिए । १४

अथवा

२ 'अप्सरा का शाप' की नायिका शकुन्तला की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । १४

३ दुष्यंत का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

अथवा

३ 'अप्सरा का शाप' में प्रस्तुत समस्याओं की चर्चा कीजिए । १४

४ 'अप्सरा का शाप' उपन्यास के आधार पर यशपाल की नारी–चेतना की चर्चा कीजिए । १४

अथवा

४ '' 'अप्सरा का शाप' उपन्यास में आधुनिकता'' – पर सविस्तार चर्चा कीजिए । १४

५ (अ) किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : ७

(१) भारत की वर्तमान राजनीति ।

(२) मेरा प्रिय साहित्यकार ।

(ब) हिन्दी में अनुवाद कीजिए : ७

તમે પૂછશો કે ક્રોધથી શો લાભ ? ક્રોધ વગેરે તો આપણા શત્રુઓ છે. પણ જો તેનોય સદુપયોગ કરીએ તો તે પણ બહુ કામ ના છે. આપણા દિલમાં ખોટુ કરવાનો વિચાર આવે ત્યારે જો આપણને આપણા પર ક્રોધ આવે, તો આપણે ખોટું કરતા અટકીએ; આપણને આપણામાં રહેલી કુટેવો માટે તિરસ્કાર આવે, તો તે આપણામાંથી નીકળી જાય; એટલે એ કામ, ક્રોધ તિરસ્કાર વગેરે વાપરતા આવડે તો આપણું કલ્યાણ થાય. વાપરતા ના આવડે તો નાશ થાય.

– રવિશંકર મહારાજ

अथवा

गुजराती में अनुवाद कीजिए : ७

आइए देखें; जीवन क्या है ? जीवन केवल जीना, खाना और सोना और मर जाना नहीं है । यह तो पशुओं का जीवन है। मानव जीवन में भी तो सभी प्रवृत्तियाँ होती हैं, क्योंकि वह भी तो पशु है । पर इसके उपरांत वह कुछ ओर भी होता है । उसमें कुछ ऐसी मनोवृत्तियाँ हैं जो प्रकृति के साथ हमारे मेल में बाधक होती हैं, कुछ ऐसी होती हैं जो इस मेल में सहायक बन जाती हैं । जिन प्रवृत्तियाँ में प्रकृति के साथ हमारा सामंजस्य बढ़ता है, वे वांछनीय होती हैं, जिनसे सामंजस्य में बाधा उत्पन्न होती है, वे दूषित हैं । अहंकार, क्रोध या द्वेष हमारे मन की बाधक प्रवृत्तियाँ हैं ।

– प्रेमचन्द